भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2611 का उत्तर

देश में आदर्श रेलवे स्टेशन

2611. श्री पर्वतगौड़ा चंदनगौड़ा गद्दीगौदर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में आदर्श रेलवे स्टेशनों के निर्माण की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) विगत तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश में विशेषकर कर्नाटक राज्य के लिए राज्य और जोन-वार कितने रेलवे स्टेशनों को आदर्श रेलवे स्टेशनों के रूप में विकसित किया गया है/विकसित किए जाने की संभावना है;
(ग) आदर्श रेलवे स्टेशनों पर प्रदान की गई सुविधाओं का ब्यौरा क्या है;
(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान आवंटित निधियों का वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या सरकार ने देश में सभी रेलवे स्टेशनों को आदर्श रेलवे स्टेशनों के रूप में विकसित करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): वर्तमान में, भारतीय रेल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

SK

इस योजना में प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए, रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे रेलवे स्टेशन तक पहुंच मार्ग में सुधार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्मों की सतह तथा प्लेटफॉर्मों पर छत, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुख-सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार स्टेशन भवन में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों आदि की व्यवस्था करना, चरणबद्धता तथा व्यवहार्यता एवं दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कर्नाटक राज्य में पड़ने वाले 61 रेलवे स्टेशनों सहित 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। कर्नाटक राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों की सूची नीचे दी गई है:-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
कर्नाटक	61	अलमट्टि, अलनावर, अर्सिकेरे जंक्शन, बादामी, बागलकोट, बल्लारी, बैंगलोर कैंट, बंगारपेट, बन्तावल, बेलागवी, बीदर, बीजापुर, चामराज नगर, चन्नापटना, चन्नासंद्रा, चिक्कमगलूरु, चिकोडी रोड, चित्रदुर्ग, दावनगेरे, धारवाड़, डोडबल्लापुर, गदग, गंगापुर रोड, गंगावती, घाटप्रभा, गोकक रोड, गुब्बि, हरिहर, हसन, होसपेटे, कालाबुरगी, केंगेरी, कोप्पल, क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण (बेंगलुरु स्टेशन), कृष्णराजपुरम, मल्लेश्वरम, मलूर, मांड्या, मैंगलोर सेंट्रल, मैंगलोर जंक्शन, मुनीराबाद, मैसूर, रायबाग, रायचूर, रामनगरम, रानीबेन्नूर, सागर जंबागरू, सकलेशपुर, शाहाबाद, शिवमोगा टाउन, श्रवणबेलगोला, श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जंक्शन, सुब्रह्मण्य रोड, तालगुप्पा, तिप्टुर, तुमकुरु, उडुपि, वाडी, व्हाइटफ़ील्ड, यादगीर, यशवंतपुर

SK

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों का आबंटन योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार किया जाता है, न कि कार्य-वार अथवा स्टेशन-वार या राज्य-वार/संघ राज्य-वार। कर्नाटक राज्य चार जोनों यथा मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। इन जोनों के लिए चालू वित्त वर्ष (2024-25) सहित पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए आवंटन 9,430 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन आदि से संबंधित स्वीकृति जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सुविधाओं को (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथों और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****

SK